तुम कहाँ छुपे भगवान् करो मत देरी दुःख हरो द्वारिका नाथ, शरण मैं तेरी ।

तुम कहाँ छुपे भगवान् करो मत देरी,
दुःख हरो द्वारिका नाथ, शरण मैं तेरी ।

येही सुना है दीनबंधू तुम सब का दुःख हर लेते,
जो निराश हैं उनकी झोली आशा से भर देते ।
अगर सुदामा होता मैं तो दोड़ द्वारिका आता,
पाँव आसुओं से धो के मैं मन की आग भुझाता ।
तुम बनो नहीं अनजान, सुनो भगवान्, करो मत देरी ॥

जो भी शरण तुम्हारी आता, उसको धीर बंधाते,
नहीं डूबने देते दाता, नैया पार लगाते ।
तुम ना सुनोगे तो किसको मैं अपनी व्यथा सुआउन,
द्वार तुम्हारा छोड़ के भगवन और कहाँ मैं जाऊं ।

Source:
https://www.bharattemples.com/tum-kahaan-chhupe-bhagavaan-karo-mat-deree/

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App
https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans

Facebook: https://www.facebook.com/bharattemples/
Telegram: https://t.me/bharattemples
Youtube: https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZJyhhKzSUD-Lt9Tw